

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-255
उत्तर दिनांक - 24/07/2024 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा संयंत्र/रिएक्टर

255. श्री एंटो एन्टोनी
श्री के. राधाकृष्णन
श्री के. सुधाकरन

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) देश में कुल कितने परमाणु विद्युत संयंत्र और परमाणु रिएक्टर कार्य कर रहे हैं और उनकी उत्पादन क्षमता कितनी है;
- (ख) देश में कुल कितने परमाणु विद्युत संयंत्रों और परमाणु रिएक्टरों का निर्माण किए जाने की योजना है;
- (ग) विगत पांच वर्षों के दौरान नए परमाणु विद्युत संयंत्रों के निर्माण पर कितना बजटीय व्यय किया गया; और
- (घ) सरकार द्वारा देश में परमाणु विद्युत संयंत्रों के आधुनिकीकरण के लिए किए गए/किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) वर्तमान में देश में 8180 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 24 नाभिकीय विद्युत ऊर्जा संयंत्र प्रचालित हैं।
- (ख) 7300 मेगावाट की कुल क्षमता वाले नौ (09) रिएक्टर [भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) द्वारा निर्मित प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) सहित] निर्माणाधीन हैं और 8000 मेगावाट की क्षमता वाले बारह (12) रिएक्टर [भाविनी द्वारा निर्मित द्रुत प्रजनक रिएक्टर (एफबीआर) 1 व 2 की 2 x 500 मेगावाट द्वि-यूनिट सहित] पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन हैं।

- (ग) पिछले पांच वर्षों (2019-20 से 2023-24) के दौरान निर्माणाधीन नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं पर कुल पूंजीगत व्यय लगभग रु. 66,503 करोड़ रुपए था, जिनमें से केवल 6552 करोड़ रुपए घरेलू बजटीय समर्थन (डीबीएस) से थे। शेष राशि को एनपीसीआईएल के आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय स्रोत (आईईबीआर) और कुडनकुलम (केकेएनपीपी 3 व 4 और केकेएनपीपी 5 व 6) परियोजनाओं के लिए रूसी स्टेट क्रेडिट द्वारा वित्त पोषित किया गया।
- (घ) नाभिकीय बिजलीघरों की संरक्षा और निष्पादन पर लगातार निगरानी की जाती है, समीक्षा की जाती है और संयंत्रों के आधुनिकीकरण के लिए विकासशील वैश्विक मानकों और प्रचालन अनुभव प्रतिपुष्टि के आधार पर नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में आवश्यक सुधार/उन्नयन किए जाते हैं। रिएक्टरों का प्रमुख नवीनीकरण जैसे सामूहिक शीतलक प्रतिस्थापन (ईएमसीसीआर), सामूहिक संभरक प्रतिस्थापन (ईएमएफआर), सामूहिक बॉयलर हेयरपिन प्रतिस्थापन (ईएमबीएचआर) आदि कार्य भी रिएक्टरों की संरक्षा और आयु बढ़ाने के लिए किए जाते हैं।
